संपादकीय

यह भरोसा न टूटे

दिल्ली के द्वारका में जिस तरह अफ्रीकी लोगों को निशाना बनाया गया, वह बेहद दुखद है। इससे देश की छवि को गहरा धक्का लगा है। हमले के पीछे की वजह तो हैरान करने वाली है। दरअसल किसी बच्चे के गायब होने पर यह अफवाह उड़ा दी गई कि कुछ अफ्रीकियों ने उसे अगवा कर उसका मांस खाया है। गनीमत है कि समय पर पहुंचकर पुलिस ने उन अफ्रीकियों को बचा लिया। आश्चर्य तो यह है कि किसी भी व्यक्ति ने नहीं कहा कि उसका बच्चा चोरी हुआ है। कहा जा रहा है कि बच्चा गायब होने या उसका अधखाया शव मिलने की बात सोशल मीडिया के जरिए फैली।

यह प्रकरण इसी साल जुलाई में मॉब लिंचिंग की भयावह घटनाओं की याद दिलाता है जब अनेक राज्यों में बच्चा चोरी के आरोप में कई लोगों को भीड़ ने मार डाला था। तो क्या देश भर में घृणा और अराजकता फैलाने की जो साजिश बुनी गई, वह अब राजधानी तक पहुंच चुकी है और उसके लपेटे में इस बार विदेशियों को लिया गया है? हालांकि दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में अफ्रीकी लोगों पर हमले की यह पहली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में अफ्रीकी छात्रों पर हमले के कई मामले सामने आए हैं। इस तरह की घटनाओं से देश की छवि पर आघात तो पहुंचता ही है, समाज की फांकें भी उजागर होती हैं। यह सही है कि भारतीय नेतृत्व ने हमेशा से विश्व स्तर पर नस्लीय भेदभाव का विरोध किया है और उन्हें सभी को समान अधिकार और प्रतिष्ठा दिए जाने की वकालत की है, लेकिन वही लीडरशिप समानता और श्रात्तत्व के आदर्श को देश के जन-जन के मन में स्थापित नहीं कर सकी। वह देश के भीतर के सामाजिक विभाजन के खिलाफ आवाज उठाने के बावजूद उसे मिटा नहीं पाई।

कई उलटी धाराएं भी आईं जिन्होंने सभी तरह के बंटवारों को महिमामंडित किया, प्रेम और सौहार्द की जगह नफरत को हवा दी। शायद यही वजह है कि भारत में अब भी लोग हर तरह के वर्ग और समुदाय के साथ घुल-मिलकर रहना सीख नहीं पाए हैं। उनके अचेतन में बिठा दिए गए पूर्वाग्रह समय-समय पर खतरनाक ढंग से सामने आते रहते हैं। दिल्ली में न सिर्फ विदेशियों बल्कि देश के पूर्वोत्तर से आने वाले लोगों के खिलाफ भी नफरत भड़क उठती है। हाल के वर्षों में उनको निशाना बनाए जाने की कई घटनाएं घटी हैं। अन्य राज्यों में भी समय-समय पर प्रवासियों के खिलाफ हिंसा भड़क उठती है। एक आधुनिक और सभ्य समाज का लक्षण यह है कि वह अलग-अलग धाराओं से आने वाले लोगों और विचारों को खुले मन से स्वीकार करता है। विदेशियों का हमारे देश में शिक्षा प्राप्त करने या कारोबार के लिए आना इस बात का सबूत है कि वे हम पर भरोसा करते हैं। इस विश्वास को टूटने से बचाना होगा।

मार्च तक सरकारी बैंकों में 42 हजार करोड़ रुपये डालेगी केंद्र सरकार

सरकार चालू वित्त वर्ष के अंत तक (मार्च तक) कर्जों के डूबने से खस्ताहाल हुए सरकारी बैंकों में 42 हजार करोड़ रुपये की पूंजी डालेगी, ताकि उनकी वित्तीय सेहत में सुधार हो. वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने कहा, 'हम दिसंबर के मध्य से सरकारी बैंकों में पुनंपूंजीकरण का अगला भाग डालेंगे. चालू वित्त वर्ष के अंत तक कुल 42,000 करोड़ रुपये की पूंजी सरकारी बैंकों में डाली जाएगी.'

2.11 लाख करोड़ की पूंजी डालने की घोषणा की थी सरकार ने देश के विकास दर को बढ़ावा देने के लिए साल 2017 के अक्टूबर में सरकारी बैंकों में अगले दो सालों में 2.11 लाख करोड़ रुपये की पूंजी डालने की घोषणा की थी. ये 42,000 करोड़ रुपये की रकम उसी योजना का हिस्सा है. सरकार 2.11 लाख करोड़ रुपये की पूंजी में से 1.35 लाख करोड़ रुपये बांड के माध्यम से सरकारी बैंकों में डालेगी.

जनरल मोटर्स के कनाडा का कारखाना बंद करने की उम्मीद, 3,000 नौकरियों पर मंडरा रहा खतरा

मोंट्रियल (आरएनएस)। जनरल मोटर्स सोमवार को कनाडा में एक कारखाना बंद करने की घोषणा कर सकती है। इससे ओशावा के इस कारखाने में करीब 3,000 लोगों की नौकरी जाने का खतरा है। कनाडा के टीवी-समाचार चैनल सीटीवी ने सोमवार को कई अपुष्ट सूत्रों के हवाले से यह खबर दी। चैनल की रपट में कहा गया है कि अमेरिकी कंपनी जनरल मोटर्स दुनियाभर में अपने कारोबार का समग्र स्तर पर पुनगर्ठन करने जा रही है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार टोरंटो से करीब 60 किलोमीटर दूर यह संयंत्र 1953 में स्थापित किया गया। यहां अभी करीब 2,800 लोग काम करते हैं। यहां शेवरले और जीएमसी पिकअप के कल-पुर्जे जोड़ कर ये कारें बनायी जाती हैं। यहां शेवरले इंपाला और कैडिलैक एक्सटीएस को भी असेंबल किया जाता है। ओशावा के मेयर जॉन हेनरी ने कहा, '' मुझे लगता है कि यह महज अफवाह है। जब तक हम स्पष्ट कुछ जान नहीं लेते, तब तक हम कुछ नहीं कह सकते।'' कनाडा के ओंटैरियो प्रांत में जनरल मोटर्स केइतीन और कारखाने हैं।

अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इन पर भी इसका कोई असर होगा।

आरबीआई के पास जरूरत से अधिक रिजर्व, केंद्र को 1 लाख करोड़ देने में सक्षम: रिपोर्ट

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर काम करने वाली एक वित्तीय कंपनी की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजर्व बैंक के पास इस समय 'आवश्यकता से अधिक आरक्षित धन' है और ऐसे धन की पहचान के लिए गठित की जाने वाली विशेष समिति ने सिफारिश की तो केंद्रीय बैंक सरकार को एक लाख करोड़ रुपये तक की राशि सरकार को हस्तांतरित करने की स्थिति में है.

रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की पिछले सोमवार को हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लेने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला किया गया.

जल्द भारत से निर्यात होंगी स्कोडा की कारें

नई दिल्ली। फॉक्सवेगन ग्रुप 2025 तक भारत में अपने संयुक्त मार्केट शेयर को पांच प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी ने भारत में बनी कारों को एक्सपोर्ट करने की भी योजना बनाई है। फॉक्सवेगन ग्रुप ने घोषणा की थी कि उसकी सहायक कंपनी स्कोडा जल्द ही यहां एमक्यूबी ए0-प्लेटफार्म बनी कारें तैयार करेगी। इस प्लेटफार्म पर सबसे पहले स्काला को तैयार किया जाएगा।

स्कोडा स्काला को 2020 तक लॉन्च किया जा सकता है। स्कोडा ने हाल ही में स्काला के केबिन के स्केच भी जारी किए थे। इसे 6 दिसंबर 2018 को दुनिया के सामने पेश किया जा सकता है। इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा से होगा। कंपनी औरंगाबाद (महाराष्ट्र) प्लांट में बनी एमक्यूबी कारों को विदेशों में एक्सपोर्ट करेगी।

आईसीसी ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला क्रिकेट को शामिल करने के लिए आवेदन जमा किया

दुबइ (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सोमवार को कहा कि उसने 2022 में बर्मिंगम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टी20 क्रिकेट को शामिल करने के लिए आवेदन जमा कर दिया है। आईसीसी ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के साथ साझेदारी में यह आवेदन जमा किया। अभी तक राष्ट्रमंडल खेलों में सिर्फ एक बार 1998 में पुरुष क्रिकेट को जगह दी गई थी। उसमें साउथ अफ्रीका ने स्वर्ण पदक जीता था। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'महिला क्रिकेट को बर्मिंगम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में शामिल करना क्रिकेट और महिला सशक्तीकरण के लिए वैश्विक रणनीति का हिस्सा है। आईसीसी को इसके सदस्य देशों का पूरा समर्थन हासिल है।' राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को जमा किए गए आवेदन में आठ टीमों का टी20 टूर्नामेंट कराने का प्रस्ताव रखा गया है जिसमें टीमों को दो पूल में बांटा जाए और दो स्थानों पर आठ दिन के भीतर 16 मैच कराए जाएं।

अब मैं बिना पंच गंवाए, विरोधी को करना चाहती हूं चित: मेरी कॉम

नई दिल्ली (आरएनएस)। पहली बार हुनर से ज्यादा अपनी ताकत के भरोसे पर वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली एम सी मेरी कॉम ने कहा कि अब वह उस मुकाम पर पहुंच गई हैं जहां एक भी पंच गंवाए बिना जीत दर्ज करना चाहती हैं। तीन बच्चों की मां 36 बरस की मेरी कॉम ने हाल ही में छठा वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीता। यह वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनका 7वां पदक है और टूर्नामेंट के दस सत्र के इतिहास में वह सबसे सफल मुक्केबाज बन गईं।

मणिपुर की इस मुक्केबाज ने बातचीत में 2001 से अब तक के वर्ल्ड चैंपियनशिप के सफर की यादें ताजा की।

आज का राशिफल

मेष: आप का बिन मित्रों और सामाजिक कार्यों के पीछे भागदौड़ में बीतेगा। धन खर्च भी करना पडेगा। सरकारी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। बड़ो से सहयोग भी प्राप्त होगा। आकस्मिक धनलाभ हो सकता हैं। प्रवास और पर्यटन होगा।

वृषभ: आज का दिन शुभ फलदायी हैं। व्यवसाय में प्रगति होगी। कार्यालय में अधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में सुख और संतोष प्राप्त होगा। मित्रों से मुलाकात आनंददायी रहेगी।

मिथुन: आज मन परेशान और स्वास्थ्य नरम रहेगा। कार्य करने में उत्साह की कमी रहेगी। व्यवसायिक स्थल पर भी अधिकारी और सहकर्मियों का व्यवहार नकारात्मक रहेगा। धन खर्च हो सकता हैं। प्रतिस्पर्धियों से सावधान रहें।

कर्क: आज नकारात्मक भाव हावी रहेगा। क्रोध पर भी आज संयम रखना होगा। खर्च अधिक होने की संभावना हैं। परिजनों के बीच कोई विवाद न हो इसका ध्यान रखें। नए कार्यों का प्रारंभ आज न करें।

सिंह: आज जीवनसाथी से तालमेल की कमी हो सकती हैं। सेहत का ध्यान रखें। सामाजिक मामलों में व्यवहार संयमित रखें, अपमान से बचेंगे। साझेदारों के साथ मतभेद हो सकता हैं। कोर्ट-कचहरी से दूर रहें।

कन्या: व्यावसायिक क्षेत्र में आज यश प्राप्त होने की संभावना हैं। सहकर्मियों से सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण में सुख का अनुभव होगा। शारीरिक और मानसिकरूप से आप स्वस्थ रहेंगे। अधिक लाभ होगा।

तुला: आपकी मधुर वाणी से लोग प्रभावित होंगे। परिश्रम की तुलना में परिणाम कम हो सकता है। कार्य में संभलकर आगे बढ़ना होगा। अपाय की पीड़ा होने से खान-पान में ध्यान रखें। साहित्य लेखन की प्रवृति में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक: शारीरिक और मानसिकरूप से अस्वस्थता के कारण व्यग्रता बनी रहेगी। माता का स्वास्थ्य बिगाड़ सकता है। धन और कीर्ति की हानि हो सकती हैं। पारिवारिक वातावरण क्लेशपूर्ण हो सकता हैं। अनिद्रा सताएगी।

धनु: सेहत अच्छी रहेगी। नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए समय अनुकूल हैं। सेहेजियों के साथ समय आनंद पूर्वक बिताएंगे। धर्म कर्म में रुचि रहेगी। मित्रों और सेहेजियों के साथ मिलना हो सकता हैं।

मकर: परिजनों के साथ मनलफडमी या मनमुटाव के प्रसंग हो सकते हैं। निरर्थक खर्च होगा। शेयर में पूंजी-निवेश संभलकर करें। गृहणियों को आज अस्तोष हो सकता हैं।

कुंभ: आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन लाभप्रदी है। मित्रों और परिजनों के साथ आनंदपूर्वक समय बीतेगा। प्रवास और पर्यटन का आनंद उठा सकेंगे। ईश्वर का ध्यान करें और अनैतिक कार्यों से दूर रहें।

मीन: आज सभी कार्यों में मन की एकाग्रता से फायदा होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिजनों के साथ मतभेद हो सकता हैं।

मित्सुबिशी ने भी किया घोसन को बाहर

तोक्यो (आरएनएस)। मित्सुबिशी मोटर्स के कार्यकारियों ने कार्लोस घोसन की अचानक हुई गिरफ्तारी के बाद उसे चेयरमैन पद से हटा दिया।

इससे पहले घोसन को निसान के चेयरमैन पद से भी हटाया जा चुका है। घोसन को कई सालों तक अपना वेतन 4.4 करोड़ डॉलर कम बताने को लेकर जापान में गिरफ्तार किया गया है।

जानें-कब है भैरव अष्टमी, इन उपायों के करने से होगा लाभ

30 नवंबर 2018 भैरव अष्टमी है. इस दिन काल भैरव का जन्म हुआ था. उन्हें प्रसन्न करने के यह 10 उपाय आजमाएं, घर से हर तरह की नकारात्मक शक्ति दूर होगी. चारों तरफ से खुशियों भरे समाचार आने लगेंगे

हिंदू धर्म में भैरव जी की विशिष्टता प्राचीन समय से कायम है। देश के प्रायः सभी क्षेत्रों में श्री भैरव की पूजा होती है। भैरव देवोतीर्थ में हैं, तो शिवधाम में भी हैं। भैरव बड़े-बड़े राजप्रासादों, चौक-चौराहे व नगर प्रवेश द्वार पर हैं। वहीं हरेक गांव-टोले में विराजमान सप्तमातृका देवी स्थान में भी भैरव की पूजा पिंडी रूप में अवश्य होती है। भगवान शिव के क्रोधावतार, देवी के पहरुआ, कालों के काल महाकाल भैरव की लोकप्रियता शैव, शाक्त व वैष्णव, तीनों संप्रदायों में समान रूप से है। ऐसे तो भैरव की आराधना रोज होती है, पर वर्ष में एक बार मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी को भैरव जयंती मनाई जाती है। कष्ट से मुक्ति और संकट के निदान में भैरव साधना तुरंत फलदायी है।

उत्तर में अमरनाथ के बाबा अमर भैरव, दक्षिण में कन्याकुमारी के भूत काल भैरव, पूरब में ब्रह्मपुत्र नद के उमानाथ भैरव और पश्चिम में अम्बा जी के सिद्ध भैरव से भारत रक्षित है। हमारे देश में भैरव विभिन्न नामों से पूजे जाते हैं। श्री भैरव जी के प्रधान रूपों की संख्या आठ है और इनके कुल 64 रूपांश हैं। देश में महाकाल तीर्थ उज्जैन का भैरव गढ़, राजस्थ्पा की भैरवी नदी, गिरनार का भैरव पर्वत, ओंकारेश्वर का भैरव घाट, देवघर का भैरव बाजार, त्रिकूट पर्वत की भैरव घाटी और रामेश्वरम में समुद्री क्षेत्र में भैरव तीर्थ, भैरव उपासना के प्रसिद्ध स्थलों में शामिल हैं। अष्टमी तिथि को भैरव का प्रादुर्भाव होने के कारण आठ अंक भैरव को प्रिय है। इनके अष्ट प्रधान पीठ हैं, तो आठ उप पीठ भी हैं।

संपूर्ण देश में काशी के काल भैरव का विशेष मान है। इन्हें काशी का कोतवाल कहा गया है। इसके साथ ही यहां भैरव के एकादश रूप विराजित हैं।

विंध्याचल के लाल भैरव दूर-दूर तक प्रसिद्ध हैं, साथ ही यहां सभी चौसठों भैरव का स्थान है।

आटे से बनाएं ये मज़ेदार ढोकला,कुट्टू का ढोकला

कुट्टू के आटे का ढोकला आप किसी भी व्रत या नवरात्रि में बना कर खा सकते हैं। व्रत के लिए ये बेस्ट ऑप्शन है अगर आप व्रत में एक तरह की चीजे खा-खाकर बोर हो गये हैं तो इस बार बनाएं ये मजेदार कुट्टू के आटे का ढोकला।

आवश्यक सामग्री-

कुट्टू का आटा = एक कप

दही = आधा कप

सेंधा नमक = स्वादानुसार

हरी मिर्च = एक बारीक कटी हुई

देगी मिर्च = एक चम्मच

कच्चा नारियल = दो चम्मच कद्दूकस कर लें

समा के चावल का आटा = दो चम्मच

देसी घी = एक चम्मच,

इनों = आधा चम्मच

पानी = आवश्यकता अनुसार

विधि -कट्टु का ढोकला बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे या थाली में घी डालकर फेला लें जिससे कि ढोकला बर्तन में न चिपके।अब एक बाउल में कुट्टू का आटा, सेंधा नमक और दही डालकर घोल तैयार कर लें। अगर आपकी दही गाढ़ी हो तो दही को पतला करने के लिए इसमें थोड़ा सा पानी डाल दें घोल को अच्छे से फेटकर 15 से 20 मिनट के लिए रख दें।गैस पर एक बड़े बर्तन में पानी डालकर गर्म होने के लिए रख दें साथ ही भगोने के बीच में एक स्टैंड भी रख दें। तय समय बाद घोल में एक हरी मिर्च और इनों डालकर अच्छी तरह से चलाते हुए मिक्स कर लें। अब इस बेटर को थाली में डाल दें जिस भी बर्तन में आप ढोकला बना रहे है ध्यान रहे उसको आधा ही भरे क्योंकि ढोकला फूलता है।अब इस ढोकले वाली थाली को स्टैंड के ऊपर रख दें और फिर भगोने का ढक्कन-ढककर 20 से 25 मिनट तक मीडियम गैस पर पकने दें इस ढोकले को आप किसी भी उपवास या व्रत में खा सकते हैंतय समय बाद ढक्कन हटाकर देखे ढोकला अच्छे से पका है या नहीं इसको चेक करने के लिए टुथपिक या छुरी को ढोकले में डालकर देखे कि ढोकला पक चूका है या नहीं अगर आपकी टुथपिक साफ निकलती हैं। तो समझ जाएँ की ढोकला अच्छे से पक चूका है और अगर इसमें भिग्रपन लगा हुआ है तो ढोकले को पांच से सात मिनट और पका लें।हमारा ढोकला इतने समय में पक चूका है गैस को बंद कर दें और ढोकले वाली थाली को बर्तन से बाहर निकाल लें चाकू या छुरी की सहायता सा ढोकले को अपने मनपसंद आकार में काट लें। अब इसके ऊपर हरा धनिया, एक चुटकी देगी मिर्च और कद्दूकस किया हुआ नारियल डालकर सर्विंग प्लेट में ढोकले को निकाल लें और हरे धनिये की चटनी से सजाकर गर्मागर्म या ठंडा ही इसे सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-100

खाएं से ढाएं :

1. लाफ्ता, जायका 2. गुलाबदाता, गेंद, रोड़ 5. नंदी, केंद्र की राजा पाने वाला व्यक्ति 7. खत पात्र, नाटक फिल्म आदि का चुना पात्र 9. कामी, व्यभिचारी 10. इजत जाना, बेइज्जती होना (उभय)11. रूपधरी, विचित्र, कौतेन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, गगर 22. नगी, सीढ़, मुहर, छगा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रुठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. स्त्रीं की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. वचाय, सुरक्षा।

1			2			3	4	5
		6				7		
8					9			
				10				
			11				12	
13						14		
		15						
16				17	18			
19			20			21		
				22				
				23				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 99 का हल

ग	ल	त	अ			खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		र			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
ना	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न		पा	नी	
ची			प		पा			धो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

सू-दोकू-100

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.99का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5